

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

आधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 35]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 30, 1980/भाद्र 8, 1902

No. 35]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 30, 1980/BHADRA 8, 1902

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

## PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम

जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

## वित्त मंत्रालय

समाहृतिय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नागपुर, 24 जुलाई, 1980

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सां०का०नि० 886—केन्द्रीय एच सीमा शुल्क नियम 1944 एवं नियम 5 द्वारा, मुझमें प्रदत्त अधिकारों के तहत, मैं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारियों को, जो कालम न० 2 के मद्र-शुद्धी (मसूदा) तालिका में दर्शाए हैं, को उनके क्षेत्रान्तर्गत "समाहृतियों" की शक्तियां जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के नियम कालम न० 1 एवं सीमा शुल्क विषय कालम न० 3 में दर्शाए हैं, के उपयोग हेतु अधिकृत करता हूँ।

तालिका

के०उ०शु० नियम	अधिकारी की श्रेणी	सीमाएं, यदि कोई
(1)	(2)	(3)
56-अ(2)	सहायक समाहर्ता	नियम 56-अ के अन्तर्गत प्रयुक्त श्रेष्ठ की प्रतियां का स्वीकृत करने की अनुमति
56-अ(3)	सहायक समाहर्ता	गणित के हस्तांतरण (स्थानांतरण) की अनुमति/आर० जो० 23 लेखा के मद्रद की अनुमति

(1)	(2)	(3)
56-अ(4)	अधीक्षक की श्रेणी के या ऊपर	अधिनियम जो उन्हें प्रदत्त है, को विस्तृत करने के अधिकार।

यह अधिसूचना समाहर्ता की पूर्व अधिसूचना क्र० 6/1968-के०उ०शु० दिनांक 18-9-68, जो इस कार्यालय के अधिसूचना क्र० V (अ) 7-1/64-के०उ०शु०-1, दिनांक 20-9-68 को जारी की गई थी, के स्थान पर लागू की गई है।

[प्रम(क 1/1980/प०स० V(16) 8-1/80-के०उ०शु०]

के० शंकररामन, समाहर्ता

## MINISTRY OF FINANCE

Office of the Collector of Central Excise

Nagpur, the 24th July, 1980

(CENTRAL EXCISE)

G.S.R. 886. -In exercise of the powers conferred on me by rule 5 of the Central Excise Rules 1944, I hereby empower the Central Excise Officers specified in column 2 of the sub-joined table to exercise within their jurisdiction the powers of of the "Collector" under the Central Excise Rules enumerated in column 1 thereof subject to the limitations set out in column 3 of the said table.

TABLE			(1)	(2)	(3)
Central Excise Rules	Rank of Officer	Limitations, if any.	56-A(4)	Of and above the rank of Superintendent.	To the extent of powers of adjudication delegated to them.
(1)	(2)	(3)			
56 A(2)	Assistant Collector	To grant permission to avail of procedure of proforma credit under rule 56-A.	2. This supersedes the Collectorate Notification No. 6/1968-C. Ex. dated 18-9-68 issued under this office endorsement C. No. V(a) 7-1/64- CX I dated 20-9-68.		
56-A(3)	Assistant Collector	To permit transfer of amount/stock to the RG 23 Account.	[No. 1/1980/C. No IV(16)8-1/80-CX] K. SANKARARAMAN, COLLECTOR		

## संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 12 अगस्त 1980

सं०का०वि० 887—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक् डाक प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, डाक तार विभाग के दूर संचार खण्ड में भारतीय डाक-तार लेखा और वित्त सेवा समूह 'ख' के लेखी अधिकारियों के पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्—

1 सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय डाक तार लेखा और वित्त सेवा दूर संचार खण्ड, समूह 'ख' (भर्ती) नियम 1980 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 1976 से प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2 लागू होना—ये नियम इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे।

3 पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसके वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं : परन्तु डाक तार बोर्ड इस बाबत किन्हीं साधारण परिसीमाओं के अधीन रहते हुए, उक्त अनुसूची में उल्लिखित पदों की संख्या को बढ़ा या कम कर सकेगा, परन्तु यह तब जब उसका समाधान हो जाता है कि कार्य की मात्रा की दृष्टि से यथास्थिति, ऐसी बढ़ोतरी या कमी व्यायीकृत है।

4 आरंभिक गठन—निम्नलिखित अधिकारियों की आरंभिक गठन पर उक्त पद पर नियुक्ति किया गया समझा जाएगा, अर्थात्—

(1) ऐसा लेखा अधिकारी जो इन नियमों के प्रारंभ से पूर्व डाक तार विभाग के भारतीय डाक तार लेखा और वित्त सेवा समूह 'ख' पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किए गए थे।

(2) ऐसे लेखा अधिकारी जो इन नियमों के प्रारंभ के पश्चात् परन्तु इन नियमों के प्रस्थापन से पूर्व भारतीय डाक तार लेखा और वित्त सेवा, समूह 'ख' पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किए गए थे। किन्तु ऐसे अधिकारी सामूहिक रूप से खण्ड (1) में निर्दिष्ट अधिकारियों में कनिष्ठ होंगे।

5 भावी अनुवर्धन—उक्त पदों के आरंभिक गठन के पश्चात् उत्पन्न रिक्तियाँ, उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट उपबन्धों के अनुसार भरी जाएंगी।

6 स्थानान्तरण के लिए वायित्व—उक्त पद पर नियुक्त व्यक्तियों को भारत में किसी भी स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकेगा।

7 निरहताएँ—बह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुश्रेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

8 अवशिष्टीय मामले—ऐसे मामलों की बाबत, जो इन नियमों के द्वारा या के अधीन विनिर्दिष्ट नहीं हैं और उक्त पद पर नियुक्त व्यक्ति श्राम तौर पर केन्द्रीय मिजिल सेवा को लागू नियमों, विनियमों और प्रादेशों द्वारा शासित होंगे।

9 शिथिल करने की शक्ति—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

10 व्यावृत्ति—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आय सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए प्रादेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

11 निरसन—(1) भारतीय डाक तार लेखा और वित्त सेवा वर्ग 2 (भर्ती) नियम, 1968 निरस्त किए जाते हैं।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, इस प्रकार निरस्त किए गए नियमों के अधीन की गई कोई बात कार्यवाही (जिसमें की गई प्रत्येक नियुक्ति, दिया गया अनुमोदन, अनुदत्त छूट, विनिर्देश, अनुदेश अधिसूचना या जारी किया आदेश भी है) इन नियमों के अधीन इस प्रकार की गई समझी जाएगी मानो ये नियम, उस समय, जब यह बात या कार्यवाही की गई थी प्रवृत्त थे।

12 निर्वनन—यदि इन नियमों के निर्वनन से संबंधित कोई प्रश्न उत्पन्न होता है तो उसका विनिर्णय केन्द्रीय सरकार करेगी।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतन	चयन पद प्रयोज्य अचयन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गये वर्षों का फायदा केन्द्रीय सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम, 30 के अधीन अनुशेष है या नहीं	भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये अपेक्षित शैक्षिक और अन्य शर्तें
1	2	3	4	5	6	6(क)	7
सहायक अधिकारी	620	भारतीय डाक तार लेखा और वित्त लेखा (दूर-संचार खण्ड) समूह 'ख' अतिरिक्त वर्गीकृत	840-40-1000- 8000-40- 1200 रु०	50 प्रतिशत चयन के आधार पर, 50 प्रतिशत अचयन के आधार पर	नागू नहीं होता	नागू नहीं होता	नागू नहीं होता
सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित आयु और शैक्षिक शर्तें तथा भर्ती की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिक्षा की प्रवृत्ति यदि कोई है	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती किये जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है, तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा		
8	9	10	11	12	13		
नागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा	प्रोन्नति : ऐसे कनिष्ठ लेखा अधिकारी जिन्होंने उस श्रेणी में पाँच वर्ष नियमित सेवा की है।	समूह 'ख' विभागीय प्रोन्नति समिति : 1. सदस्य (वित्त) डाक तार बोर्ड—अध्यक्ष 2. उप-सहनिदेशक (दूर संचार सेवा)—सदस्य 3. निदेशक (डाक वित्त III)—सदस्य	इन नियमों के किसी उपबन्ध को सजोड़ित/शिथिल कर समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।		

## व्याख्यात्मक-टीपण

यूनियन लेखा (कर्मचारियों का तबादला) कानून 1976 (1976 का 59) का विभागीकरण के पारित होने के फलस्वरूप, भारत सरकार ने पहली अप्रैल, 1976 से प्रवृत्त हुए डाक तार विभाग के डाक खण्ड के लेखा के रख-रखाव से संबंधित कार्य का भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग के नियंत्रण से हटाकर डाक तार विभाग को सौंपने तथा उक्त तिथि से लेखा अधिकारियों को दो पृथक सेवाएं एक डाक खण्ड हेतु तथा दूसरी दूर संचार खण्ड हेतु गठित करने का निर्णय लिया है।

2 वे लेखा अधिकारी जो भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग से भारतीय डाक तार विभाग को स्थानान्तरित किये जा चुके हैं, डाक खण्ड का एक पृथक डाक तार लेखा और वित्त सेवा ग्रुप 'ख' का गठन करेंगे तथा डाक तार लेखा और वित्त सेवा ग्रुप 'ख' के मौजूदा लेखा अधिकारी दूरसंचार खण्ड की एक पृथक डाक तार लेखा और वित्त सेवा ग्रुप 'ख' का गठन करेंगे। दूर संचार खण्ड हेतु डाक तार लेखा और वित्त सेवा ग्रुप 'ख' पद के गठन से संबंधित नियमों की तथापि, पहली अप्रैल, 1976 से पूर्व प्रभावी माना जाएगा।

3 एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों को पूर्व प्रभावी स्वीकार करने के परिणामस्वरूप सेवा में पहले से ही कार्य कर रहे किसी व्यक्ति के अधिकारों पर इसमें कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[फा० न 17-31/77-एस ई ए (i)]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS  
(P&T Board)

New Delhi, the 12th August, 1980

**G.S.R. 887.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Accounts Officers of the Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service Group 'B' in the Telecommunication Wing of the Indian Posts and Telegraphs Department, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service Telecommunication Wing, Group 'B' (Recruitment) Rules, 1980.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of April, 1976.

2. Application.—These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the post its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

Provided that the Posts and Telegraphs Board may, subject to any general limitations in this regard, increase or decrease the number of posts mentioned in the said Schedule if it is satisfied that the quantum of work justifies such increase or decrease, as the case may be.

4. Initial constitution.—The following officers shall be deemed to have been appointed to the said post at the initial constitution, namely :—

(1) Accounts Officers who had been appointed on regular basis to the Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service, Group-B post of the Posts and Telegraphs Department before the commencement of these rules.

(2) Accounts Officers appointed on regular basis to the Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service Group-B post after the commencement of these rules but prior to the promulgation of these rules, such officers shall, however, be placed en bloc junior to those referred to in clause (1).

5. Future maintenance.—The vacancies arising after the initial constitution of the said posts shall be filled in accordance with the provisions specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

6. Liability for transfer.—Persons appointed to the said post shall be liable to transfer anywhere in India.

7. Disqualifications.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government, may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law

applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

8. Residuary matters.—In regard to matters not specifically covered by or under these rules, the persons appointed to the said post shall be governed by the rules, regulations and orders applicable to the Central Civil Services in general.

9. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do it may, by order and for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

10. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxations of age limit and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

11. Repeal.—(1) The Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service Class II (Recruitment) Rules, 1968 are hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal anything done or any actions taken (including every appointment made, approval given, relaxation granted, decision, instruction, notification or order issued) under the rules so repealed shall be deemed to have been done or taken under these rules as if these rules were in force when such thing was done or action was taken.

12. Interpretation.—If any question relating to the interpretation of these rules arises, it shall be decided by the Central Government.

#### SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under the rule 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required of direct recruits
1	2	3	4	5	6	6a	7
Accounts officer	620	Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service (Telecommunication Wing) Group 'B' Non-Ministerial.	Rs. 840-40-1000-EB-40-1200	50% on selection basis, 50% on non-selection basis	Not applicable	Not applicable	Not applicable
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.			If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11			12	13
Not applicable	2 years	By promotion	Promotion : Junior Accounts Officers with 5 years' regular service in the grade.			Group 'B' Departmental Promotion Committee:  1. Member (Finance), Posts and Telegraphs Board—Chairman 2. Deputy Director General (Telecommunications Accounts) — Member 3. Director (Finance —III) —Member	Consultation with the UPSC is necessary while amending/relaxing any of the provisions of these rules.

**EXPLANATORY MEMORANDUM**

Consequent on the passing of the Departmentalisation of Union Accounts (Transfer of Personnel) Act, 1976 (59 of 1976), the Government of India decided to transfer the work relating to maintenance of accounts of the Postal Wing of the Posts and Telegraphs Department from the control of the Indian Audit and Accounts Department to the Posts and Telegraphs Department, with effect from the 1st April, 1976, and to constitute two separate Services of Accounts Officers, one for the Postal Wing and the other for the Telecommunications Wing, from the said date.

2. The Accounts Officers who have been transferred from the Indian Audit and Accounts Department to the Posts and Telegraphs Department shall constitute a separate Posts and

Telegraphs Accounts and Finance Service Group 'B' of the Postal Wing, and the existing Accounts Officers of the Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service Group 'B' shall constitute a separate Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service, Group 'B' of the Telecommunication Wing. The rules relating to the constitutions of the posts and Telegraphs Accounts and Finance Service Group-B posts for the Telecommunication Wing have, therefore, to be given retrospective effect from the 1st April, 1976.

3. It is hereby certified that giving retrospective effect to these rules would not adversely affect the rights of any person already in service.

[F. No. 17-31/77-SEA(ii)]

सं०का०नि० 888—राष्ट्रपति, सर्वोच्च न्यायाधीश के आदेश 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, डाक तार विभाग के डाक खण्ड में भारतीय डाक-तार लेखा और वित्त सेवा समूह 'ख' के लेखा अधिकारियों के पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हेतु, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय डाक तार लेखा और वित्त सेवा, डाक खण्ड, समूह ख (भर्ती) नियम 1980 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 1976 से प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. ये नियम इन नियमों में उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे।

3. पद संख्या वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसके वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 में 4 में विनिर्दिष्ट हैं :

परन्तु डाक तार बोर्ड, इस बाबत किन्हीं साधारण परिमिताओं के अधीन रहते हुए, उक्त अनुसूची में उल्लिखित पदों की संख्या को बढ़ा या कम कर सकेगा, परन्तु यह तब जब उसका समाधान हो जाता है कि काम की मात्रा की दृष्टि से यथास्थिति, ऐसी बढ़ोतरी या कमी व्यापोजित है।

4. आरम्भिक गठन :—निम्नलिखित अधिकारियों की आरम्भिक गठन पर उक्त पद पर नियुक्त किया गया समझा जाएगा, अर्थात् :—

(1) ऐसे लेखा अधिकारी जो भारतीय संपरीक्षा और लेखा विभाग में नियमित आधार पर नियुक्त किए गए थे और जिनका इन नियमों के प्रारम्भ से पूर्व भारत सरकार के मंत्रालयों या विभागों में लेखा के विभागीकरण के परिणाम स्वरूप डाक तार विभाग को स्थायी रूप से स्थानांतरण कर दिया गया है।

(2) ऐसे कनिष्ठ लेखा अधिकारी जो कनिष्ठ लेखा अधिकारी सेवा, डाक खण्ड के सदस्य हैं और जो इन नियमों के प्रारम्भ के पश्चात् परन्तु इन नियमों के प्रवृत्त से पूर्व डाक खण्ड में लेखा अधिकारियों के रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किए गए हैं। किन्तु ऐसे अधिकारी सामूहिक रूप से खण्ड (1) में निर्दिष्ट अधिकारियों से कनिष्ठ होंगे।

5. भावी अनुपस्थिति :—उक्त पदों के आरम्भिक गठन के पश्चात् उत्पन्न रिक्तियाँ, उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 में 13 में विनिर्दिष्ट उपबन्धों के अनुसार भरी जाएंगी।

6. स्थानांतरण के लिए दायित्व :—उक्त पद पर नियुक्त व्यक्तियों को भारत में किसी भी स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकेगा।

7. निरर्हताएँ, वह व्यक्ति :—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्थाय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

8. अवशिष्टीय मामले :—ऐसे मामलों की बाबत जो इन नियमों के द्वारा या के अधीन विनिर्दिष्ट नहीं आते उक्त पद पर नियुक्त व्यक्ति आमतौर पर केन्द्रीय सिविल सेवा का लागू नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा शासित होंगे।

9. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जा कारण है, उन्हें खसट करके तथा सब लोक सेवा आयोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

10. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आदेशों, धातु सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपाय करना आवश्यक है।

11. निर्वचन :—यदि इन नियमों के निर्वचन में सम्बन्धित कोई प्रश्न उत्पन्न होता है तो इसका विनिश्चय केन्द्रीय सरकार करेगी।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गये वर्गों का फायदा केन्द्रीय सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएँ
1	2	3	4	5	6	6क	7
लेखा अधिकारी	219	भारतीय डाक तार लेखा और वित्त सेवा (डाक खंड) समूह 'ख' अलिपिक वर्गीय	840-40-1000 द०रो०-40-1200 रु०	50 प्रतिशत चयन के आधार पर, 50 प्रतिशत अचयन के आधार पर	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएँ प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती किये जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उप ही पद्धति	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में सश्र लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा		
8	9	10	11	12	13		
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा	प्रोन्नति — जिनमें कनिष्ठ लेखा अधिकारी जिन्होंने इस श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा की है।	समूह 'ख' विभागीय प्रोन्नति समिति — 1. सदस्य (वित्त) डाक तार बोर्ड—अध्यक्ष 2. उप-महानिदेशक (डाक लेखा)—सदस्य 3. निदेशक (डाक लेखा-I)—सदस्य	इन नियमों के किसी उपबन्ध को संशोधित/शिथिल करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।		

## व्यावसायिक-हापस

यूनियन लेखा (कर्मचारियों का सहायता) कानून, 1976 (1976 का 59) का विभागीकरण के पारित होने के फलस्वरूप, भारत सरकार ने पहली अप्रैल, 1976 में प्रवृत्त डाकतार विभाग के डाक खण्ड के लेखा के रखखाव से संबंधित कार्य को भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग के नियंत्रण से हटाकर डाक तार विभाग को सौंपने तथा उक्त तिथि से लेखा अधिकारियों को दो पृथक सेवाएँ एक डाक खण्ड हेतु तथा दूसरी दूरसंचार खण्ड हेतु गठित करने का निर्णय लिया है।

2. वे लेखा अधिकारी जो भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग से भारतीय डाक तार विभाग को स्थानान्तरित किये जा चुके हैं, डाक खण्ड को एक पृथक डाक तार लेखा और वित्त सेवा ग्रुप 'ख' का गठन करेंगे तथा डाक तार लेखा और वित्त सेवा ग्रुप 'ख' के मौजूदा लेखा अधिकारी दूरसंचार खण्ड की एक पृथक डाक तार लेखा और वित्त सेवा ग्रुप 'ख' का गठन करेंगे। डाक खण्ड हेतु डाक तार लेखा और वित्त सेवा ग्रुप 'ख' पद के गठन से संबंधित नियमों को तथापि, पहली अप्रैल 1976 से पूर्व प्रभावी माना जाएगा।

3. एतद्वारा प्रमाणित किया जाना है कि इन नियमों को पूर्व प्रभावी स्वीकार करके परिणामस्वरूप सेवा में पहले से ही कार्य कर रहे किसी व्यक्ति के अधिकारों पर इससे कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[फा० म० 17-31/77-एम० ई० ए०(ii)]

पी०एम० राय, सहायक महानिदेशक (एम० पी० जी०)

G.S.R. 888.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Accounts Officers of the Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service Group-B' in the Postal Wing of the Posts and Telegraphs Department, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service, Postal Wing, Group-B' (Recruitment) Rules, 1980.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of April, 1976

2. Application.—These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule :

Provided that the Posts and Telegraphs Board may, subject to any general limitations in this regard, increase or decrease the number of posts mentioned in the said Schedule if it is satisfied that the quantum of work justifies such increase or decrease, as the case may be.

4. Initial Constitution.—The following officers shall be deemed to have been appointed to the said post at the initial constitution, namely :—

(1) Accounts Officers who had been appointed on regular basis in the Indian Audit and Accounts Department and have been transferred permanently to

the Posts and Telegraphs Department consequent on the departmentalisation of the Accounts in the Ministries or Departments of the Government of India before commencement of these rules.

- (2) Junior Accounts Officer, who are members of the Junior Accounts Officer Service, Postal Wing, and have been appointed on regular basis as Accounts Officers in the Postal Wing after the commencement of these rules but prior to the promulgation of these rules. Such officers shall, however, be placed en bloc junior to those referred to in clause (1).

5. Future Maintenance.—The vacancies arising after the initial constitution of the said posts, shall be filled in accordance with the provisions specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

6. Liability for transfer.—Persons appointed to the said post shall be liable to transfer anywhere in India.

7. Disqualifications.—No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or  
(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

8. Residuary matters.—In regard to matters not specifically covered by or under these rules, the persons appointed to the said post shall be governed by the rules, regulations and orders applicable to the Central Civil Services in general.

9. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order and for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

10. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

11. Interpretation.—If any question relating to interpretation of these rules arises, it shall be decided by the Central Government.

#### SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	6a	7
Accounts Officer	219	Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service (Postal Wing) Group 'B' Non-Ministerial	Rs. 840-40-1000-EB-40-1200	50% on selection basis; 50% on non-selection basis.	Not applicable	Not applicable	Not applicable.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment		
8	9	10	11	12	13		
Not applicable.	2 years	By Promotion.	Promotion : Junior Accounts Officers with 5 years' regular service in the grade.	Group 'B' DPC. 1. Member (Finance) Posts and Telegraphs Board—Chairman, 2. Deputy Director General (Postal Accounts) —Member. 3. Director (Postal Accounts—1) —Member	Consultation with the UPSC necessary while amending/relaxing any of the provisions of these rules.		

**Explanatory Memorandum**

Consequent on the passing of the Departmentalisation of Union Accounts (Transfer of Personnel) Act, 1976 (59 of 1976), the Government of India decided to transfer the work relating to maintenance of accounts of the Postal Wing of the Posts and Telegraphs Department from the control of the Indian Audit and Accounts Department to the Posts and Telegraphs Department with effect from the 1st April, 1976, and to constitute two separate Services of Accounts Officers, one for the Postal Wing and the other for the Telecommunications Wing, from the said date.

2. The Accounts Officers, who have been transferred from the Indian Audit and Accounts Department to the Posts and Telegraphs Department shall constitute a separate Posts and

Telegraphs Accounts and Finance Service, Group 'B' of the Postal Wing, and the existing Accounts Officers of the Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service Group 'B' shall constitute a separate Posts and Telegraphs Account, and Finance Service Group 'B' of the Telecommunications Wing. The rules relating to the constitution of the Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service, Group 'B' post for the Postal Wing, have, there to be given retrospective effect from the 1st April, 1976.

3. It is hereby certified that giving retrospective effect to these rules would not adversely affect the rights of any person already in service.

[F No. 17-31/77-SEA (ii)]

V. S. RAO, Asstt. Director General (SGP)